



स्वदेश दर्शन योजना

प्रलिस के लयः

स्वदेश दर्शन योजना, PRASAD, आत्मनरिभर भारत

मेन्स के लयः

आत्मनरिभर भारत, पर्यटन क्षेत्तर ।

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय ने अपनी [स्वदेश दर्शन योजना](#) को स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में संशोधन कलया है, जसका उद्देश्य गंतव्यों पर स्थायी और ज़मिमेदार बुनयादी ढाँचा वकिसति करना है ।

स्वदेश दर्शन योजना:

परचियः

- इसे वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारत पर्यटन सर्कटि के एकीकृत वकिस के लयि शुरू कलया गया था । इस योजना के तहत पंद्रह वषियगत सर्कटिों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्कटि, तटीय सर्कटि, डेज़रट सर्कटि, इको सर्कटि, हेरटिज सर्कटि, हमिलयन सर्कटि, कृषणा सर्कटि, नॉर्थ ईस्ट सर्कटि, रामायण सर्कटि, ग्रामीण सर्कटि, आध्यातमकि सर्कटि, सूफी सर्कटि, तीर्थंकर सर्कटि, जनजातीय सर्कटि, वन्यजीव सर्कटि ।
- यह केंद्र दवारा 100% वतितपोषत है और केंद्र एवं राज्य सरकारों की अनूय योजनाओं के साथ अभसिरण हेतु तथा केंद्रीय सार्वजनकि क्षेत्तर के उपकरमों और कॉरपोरेट क्षेत्तर की [कॉरपोरेट सामाजकि ज़मिमेदारी \(CSR\)](#) पहल के लयि उपलब्ध स्वैच्छकि वतितपोषण का लाभ उठाने के परयास कलये जाते हैं ।

महत्त्वः

- स्वदेश दर्शन और [PRASAD \(तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यातमकि, वरिसत संवर्द्धन अभयान\)](#) योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के बुनयादी ढाँचे के वकिस के लयि राज्यों तथा केंद्रशासति प्रदेशों को वतित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।
- इस योजना के तहत परयोजनाओं नधियिों की उपलब्धता, वसितृत परयोजना रपॉर्ट प्रस्तुत करने, योजना दशा-नरिदेशों का पालन करने और पूर्व में जारी धन के उपयोग के अधीन स्वीकृत कलया जाता है ।

उद्देश्यः

- पर्यटन को आर्थकि वकिस और रोज़गार सृजन के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापति करना ।
- नयोजति और प्राथमकिता के आधार पर पर्यटन क्षमता वाले सर्कटि वकिसति करना ।
- पहचान कलये गए क्षेत्तरों में आजीवकि उत्पन्न करने के लयि देश के सांस्कृतकि और वरिसत मूल्य को बढ़ावा देना ।
- सर्कटि/गंतव्यों में वशिव स्तरीय स्थायी बुनयादी ढाँचे को वकिसति करके पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाना ।
- समुदाय आधारत वकिस और गरीब समर्थक पर्यटन दृष्टकिेण का पालन करना ।
- आय के **बढ़ते स्रोतों, बेहतर जीवन स्तर और क्षेत्तर के समग्र वकिस के संदर्भ में स्थानीय समुदायों में पर्यटन के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाना** ।
- उपलब्ध बुनयादी ढाँचे, राष्ट्रीय संस्कृति और देश भर में प्रत्येक क्षेत्तर के वशिषिट स्थलों के संदर्भ में वषिय-आधारत सर्कटिों के वकिस की संभावनाओं एवं लाभों का पूरा उपयोग करना ।
- आगतुक अनुभव/संतुष्टि को बढ़ाने के लयि पर्यटक सुवधि सेवाओं का वकिस करना ।

स्वदेश दर्शन योजना 2.0:

- 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 नामक नई योजना का उद्देश्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की पूरी क्षमता को साकार कर "आत्मनरिभर भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करना है ।
- स्वदेश दर्शन 2.0 एक वृद्धशील परविरतन नहीं है, बल्कि स्थायी और ज़मिमेदार पर्यटन स्थलों को वकिसति करने के लयि स्वदेश दर्शन योजना को एक समग्र मशिन के रूप में वकिसति करने हेतु पीढीगत बदलाव है ।
- यह पर्यटन स्थलों के सामान्य और वषिय-वशिषिट वकिस के लयि बेंचमार्क एवं मानकों के वकिस को प्रोत्साहित करेगी ताकि राज्य परयोजनाओं की

- योजना तैयार करने एवं वकिसा करते समय बेंचमार्क तथा मानकों का पालन कयिा जा सके ।
- योजना के तहत पर्यटन कषेत्र के लयि नमिनलखिति प्रमुख वषियों की पहचान की गई है ।
 - संस्कृति और वसिसत
 - साहसकि पर्यटन
 - पारसिथतिकी पर्यटन
 - कलयाण पर्यटन
 - एमआईसीई पर्यटन
 - ग्रामीण पर्यटन
 - तटीय पर्यटन
 - परभिरमण- महासागर और अंतरदेशीय ।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/swadesh-darshan-scheme-1>

